

प्रेषक,

जे० पी० जोशी

उप सचिव

उत्तरांचल शासन .

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता

ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा

उत्तरांचल देहरादून .

पंचायती राज एवं ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा अनुभाग: देहरादून दिनांक 24 मार्च 2005

विषय:- ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा विभाग के उपयोगार्थ स्टाफ कारों/मोटर गाड़ियों का कय .

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 1634/ग्रा.अ.से./लेखा-दो-01/2004-05 दिनांक 11.02.2005 के अनुक्रम में एवं शासनादेश संख्या 524/XII/03/83(4)/2003 दिनांक 27.12.2004 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय-व्ययक में ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा विभाग के अधिष्ठान व्यय हेतु स्वीकृत धनराशि में से अधिष्ठान की आवश्यकता मदी में पूर्व आवंटित धनराशि के अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा हेतु उक्त शासनादेश दिनांक 27-12-2004 के क्रम में एक शक्ति अंमिनी रु० 2,01,978.00 (रु० दो लाख एक हजार नौ सौ छिहत्तर मात्र) की श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों / प्रतिबन्धों के अन्तर्गत आपके निर्वहन पर रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

2. उक्त धनराशि का किसी भी दशा में व्ययर्तन नहीं किया जावेगा तथा सम्बन्धित अधिष्ठान हेतु आवश्यकतानुसार फ्रान्ट अपने स्तर से किया जाय ।

3. उक्त आवंटित धनराशि का आहरण एक मुद्रा न कर आवश्यकतानुसार मासिक व्यय की सारिणी बनाकर ही किया जाय ।

4. उक्त आवंटित धनराशि का व्यय शासन द्वारा समय-समय पर जारी/ जारी होने वाले वित्तप्रणाली सम्यन्धी आदेशों को ध्यान में रखकर किया जाय तथा व्यय आवंटित धनराशि की सीमा तक ही रखा जाय ।

5. निर्माण कार्य एवं सामग्री कय हेतु धनराशि व्यय करने से पूर्व वित्तीय नियमों के अन्तर्गत आगमन इत्यादि पर सक्षम अधिकारी से प्रशासनिक/ प्रविवेकिक स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार वित्तीय नियमों के अन्तर्गत ही किया जाय ।

6. उक्त आवंटित धनराशि के व्यय की संश्लिष्ट सूचना प्रपत्र-बी०एफ०-13 पर प्रत्येक माह की 7 की तिथि तक शासन को उपलब्ध करा दी जाय ।

7. बजट मैनुवल, वित्तीय हस्त पुस्तिका स्टोर प्रपत्र करना बी.पी.एस.एन.सी. के दरें अथवा टेंडर / कोटेशन विषयक नियमों के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों का अनुपालन किया जावेगा।

8. आवंटित धनराशि का व्यय दिनांक 31.3.2005 तक सुनिश्चित कर लिया जाय।

9. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-19 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक-2513-अन्य प्राप्य वित्तगत कार्यक्रम-आवोजेन्तर-00-800-अन्य-व्यय-03-ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा वही अधिष्ठान-00- 14-कार्यलय प्रयोगार्थ स्टाफ कारों/मोटरगाड़ियों का कय की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे वाला जावेगा .



कमरा 2 पर

10. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 1645 /वि0अनु0-2/2005 दिनांक 24 मार्च, 2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

भवदीय

(जे0 पी0 जोशी)
उप सचिव ।

- संख्या 50 /XII/03/83/4/2003 तद दिनांक ।
- प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं अपरपक्ष कार्यवाही हेतु प्रेषित-
- 1 महालेखाकार, उत्तरांचल देहरादून ।
 - 2 सम्बन्धित वरिष्ठ कोषाधिकारी / कोषाधिकारी उत्तरांचल ।
 - 3 सम्बन्धित जिलाधिकारी, उत्तरांचल ।
 - 4 निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं उत्तरांचल 23 लक्ष्मी राड देहरादून ।
 - 5 निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केंद्र देहरादून ।
 - 6 अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा कुनार वरिष्ठाग्रवाल नैनीताल ।
 - 7 सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा उत्तरांचल ।
 - 8 वित्त अनुभाग-2 उत्तरांचल शासन ।
 - 9 गार्ड फाईल ।

जे0 पी0 जोशी
(जे0 पी0 जोशी)
उप सचिव ।